आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 13 अंक : 35 लखनऊ, बुद्धवार 21 दिसम्बर 2022 से 27 दिसम्बर 2022 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक

दुश्मनों की खैर नहीं, अत्याधुनिक हथियारों से लैस हो रहा है भारत

नई दिल्ली। सरकार ने संसद की एक उच्च स्तरीय समिति को बताया कि भारत अपने बलों को नवीनतम अत्याधुनिक एवं नयी पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों से लैस कर रहा है ताकि विरोधियों के किसी भी नापाक मंसूबों को विफल करने के लिये पूरी तरह से तत्पर रहा जा सके। लोकसभा में १४ दिसंबर को पेश हुई कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी की अध्यक्षता वाली लोक लेखा समिति की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने रक्षा मंत्रालय से यह पूछा, नवीनतम प्रौद्योगिकीय हथियारों और उपकरणों के मामले में चीन की तुलना में हमारी स्थिति क्या है और हम अपने सशस्त्र बलों के लिये स्वदेशी हथियारों और अन्य आयुध आवश्यक्ताओं को कब तक विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं? रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारत अपने बलों को नवीनतम अत्याधुनिक एवं नयी पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों से उत्तरोत्तर लैस कर रहा है ताकि हमारे विरोधियों के किसी भी नापाक मंसूबों को विफल करने के लिये पूरी तरह से तत्पर रहा जा सके। इस पर मंत्रालय ने

समिति को बताया कि चीन अंतरिक्ष और साइबर स्पेस में अभियान को संचालित करने के लिये क्षमताओं के विकास के अलावा युद्ध–संघर्ष, अनुमानित सैनिक संख्या और परमाणु प्रतिरोधक क्षमताओं में सुधार के लिये सैन्य आधुनिकीकरण के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि चीन ने पश्चिमी प्रशांत महासागर के भीतर वायु, समुद्री, अंतरिक्ष और सूचना क्षेत्र में लंबी दूरी पर तैनात या संचालित हो सकने वाले प्रतिकूल बलों पर हमला करने के लिये अपनी क्षमताओं को विकसित करना जारी रखा है और अत्याधुनिक हथियारों एवं उपकरणों के विकास पर जोर देता रहा है। इसमें बताया गया है कि चीन कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स सहित यूएवी, ड्रोन, क्वांटम कम्प्यूटिंग और संचार, युद्धाभ्यास वाहन, निर्देशित ऊर्जा हथियार, हाइपरसोनिक गाइडेड व्हीकल, काउंटर स्पेस हथियारों के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है। साथ ही इसमें यह भी कहा गया कि चीन ने सैन्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास के लिये नये कार्यक्रम भी शुरू किये हैं। मंत्रालय ने कहा कि चीन का प्रमुख प्रतिद्वन्द्वी हालांकि अमेरिका है लेकिन अनसुलझे सीमा विवादों के साथ चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता के अंतर से भारत को अवगत रहना चाहिए।

तीन यूट्यूब चौनलों पर सरकार का सर्जिकल स्ट्राइक

नई दिल्ली। फर्जी खबर फैला रहे लाखों सब्सक्राइबर वाले ३ यूट्यूब चौनलों पर केंद्र सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए उनका पदार्फाश किया है। ये यूट्यूब चौनल भारत के सर्वोच्च न्यायालय, भारत के मुख्य न्यायाधीश और भारत के प्रधानमंत्री को लेकर फेक न्यूज प्रसारित कर रहे थे। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पीआईबी विभाग ने ये जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि उनकी फैक्ट चौक यूनिट ने ४० से अधिक तथ्य–जांच की एक श्रृंखला में तीन यूट्यूब चौनलों का भंडाफोड़ किया है, जो भारत में गलत सूचना फैला रहे थे। इन चौनलों के लगभग ३३ लाख सब्सक्राइबर थे और उनके वीडियो, जिनमें से लगभग सभी झूठे पाए गए, को ३० करोड़ से अधिक बार देखा गया था। इन यूट्यूब चौनल के नाम न्यूज हेडलाइन्स, सरकारी अपडेट और आजतक लाइव हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक इन यूट्यूब चौनलों में दावा किया जा रहा था कि मुख्य न्यायाधीश के आदेशानुसार चुनाव बैलट पेपर से होंगे। एक वीडियो में कहा गया कि मुख्य न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री के खिलाफ कड़ी कारवाई की है और उन्हें दोषी घोषित किया है। कुछ वीडियो में ये यूट्यूब चौनल भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, सरकारी योजनाओं, इलेक्ट्रनिक वोटिंग मशीन, कृषि ऋण माफी आदि के बारे में झूठे और सनसनीखेज दावे फैला रहे थे। अधिकारी ने ये भी बताया कि यह पहली बार है जब पीआईबी ने झूठे दावों को फैलाने वाले पूरे यूट्यूब चौनल का पदार्फाश किया है। इसके पहले ऐसा सोशल मीडिया पर अलग–अलग पोस्ट के खिलाफ किया जाता था। यही नहीं ये चौनल अपने वीडियो पर विज्ञापन दिखा रहे थे और यूट्यूब पर गलत सूचनाओं से कमाई कर रहे थे। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा पिछले एक साल में १०० से ज्यादा चौनलों को ब्लक किए जाने के बाद पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट ने यह कार्रवाई की है।

राज्य कर्मचारियों की तर्ज पर बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों ने मांगा मेडिकल सुविधा का लाभ

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों ने निशुल्क चिकित्सा व्यवस्था लागू किए जाने की मांग की। इस संबंध मे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ लखनऊ इकाई के नेतृत्व में मंगलवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी विपिन कुमार मिश्रा पत्र सौंपा गया है। संघ के जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह राठौर ने अमृत विचार से बातचीत में बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षकों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया गया था, पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों को सशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु आदेश निर्गत किए गए हैं, निशुल्क चिकित्सा सुविधा ना मिलने के कारण परिषदीय शिक्षक अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। अनुराग ने बताया कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने पुनः अनुरोध किया है कि राज्य कर्मचारियों की तरह परिषदीय शिक्षकों को भी निशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाये।

घने कोहरे के कारण परिषदीय विद्यालयों के समय अवधि को संशोधित करने का आग्रह किया गया, संघ ने मांग की है। अनुराग ने कहा कि कई ऐसे शिक्षक हैं जिनके यहां कमाने वाला स्वयं शिक्षक है इस स्थिति में पूरे परिवार को भी देखना होता है। वहीं शिक्षक गंभीर बीमारी की चपेट में होते हैं तो इलाज करवाना मुश्किल होता है। परिषदीय विद्यालयों का समय प्रातः १० बजे से दोपहर ३ बजे तक किया जाए। आज जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह राठौर, संगठन मंत्री आशीष कुमार मिश्रा वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्ञान प्रताप सिंह, कार्यकारी महिला अध्यक्ष रुचि अरोड़ा, सौरभ वर्मा, अब्दुल रऊफ,ड एस पी पाठक, धर्मेन्द्र कुमार यादव, मंजुला रानी,मंसूर अहमद, सुनील कुमार गुप्ता, राधेश्याम यादव, अरुण कुमार यादव, निर्दोष दीक्षित, अक्षय मिश्रा, पंकज तिवारी, अवधेश सिंह संदीप श्रीवास्तव नरेंद्र कुमार, महिमा सक्सेना, सर्वेश कुमार, नीरज मिश्रा, रोहित सिंह आदि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रोफेसर विनय पाठक पेश न हुए तो, एसटीएफ निकालेगी अपना रास्ता

लखनऊ। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक के पास आज अपना पक्ष रखने का अंतिम मौका है। अभी शाम तक एसटीएफ अधिकारियों के सामने प्रोफेसर विनय पाठक पेश नहीं होते हैं तो एसटीएफ अपने हिसाब से उनकी गिरफ्तारी का रास्ता निकालेगी। कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक को अब तक एसटीएफ की ओर से चार बार पूछताछ के लिए बुलाया जा चुका है चौथी नोटिस में २० दिसंबर तक पेश होने को कहा गया था, लेकिन अभी तक प्रोफेसर पाठक ने एसटीएफ के अधिकारियों से कोई संपर्क नहीं किया है। एसटीएफ के आधिकारिक सूत्रों ने बताया एसटीएफ जल्द ही छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) कानपुर के कुलपति विनय पाठक पर अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर चुकी है। भ्रष्टाचार के मामले में एफ आई आर दर्ज होने के बाद प्रोफेसर विनय पाठक लगातार फरार चल रहे हैं। यूपी एसटीएफ के कुछ अधिकारियों ने छत्रपति शाहूजी महाराज

विश्वविद्यालय पहुंचकर प्रोफेसर विनय पाठक के बारे में जानकारी मांगी तो कुछ पता नहीं चल सका है। हालांकि इतने गंभीर मामले में आपराधिक केस दर्ज होने के बाद भी राजभवन की ओर से प्रोफेसर विनय पाठक को ना हटाया जाना और बार–बार एसटीएफ कि नोटिस के बाद भी एक अपने में अहम सवाल है।

सम्पादकीय

१०० दिन तक आगे बढ़ने के बाद

भारत जोड़ो यात्रा में १०० दिन तक आगे बढ़ने के बाद राहुल गांधी एक बदले हुए व्यक्ति नजर आते हैं। उनकी बातों में अब जमीनी स्पर्श के संकेत मिलते हैं। यानी यह संकेत ग्रहण किया जा सकता है कि सड़कों पर पैदल चलते हुए आम लोगों से उनका जो सीधा संपर्क हुआ है, उससे उन्हें कुछ सीख मिली है। एक सवाल पर उनका यह जवाब इसी सीख से निकला कि इस देश में आर्थिक अन्याय हो रहा है। इस हद तक कि बहुसंख्यक जनता– खास कर नौजवान सपने तो देखते हैं, लेकिन इस बात से आगाह रहते हुए कि उन सपनों के पूरा होने की संभावना नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अपनी आगे की यात्रा में राहुल गांधी को यह अहसास भी होगा कि आखिर सपनों पर ये बिजली क्यों गिरी है और इसके लिए कौन–सी नीतियां जिम्मेदार हैं? इस बात के भी संकेत हैं कि उन्हें अपनी पार्टी की कुछ कमजोरियां उन्हें समझ में आई हैं। मसलन, उनका यह कहना कि इंदिरा गांधी या राजीव गांधी ने देश के लिए क्या किया, उसका हर मीटिंग में उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए। बात इस पर होनी चाहिए कि आज क्या करना है और आगे किधर जाना है। क्या इस बात में किसी को शक है कि अभी तक कांग्रेस एक अतीतजीवी पार्टी बनी हुई है? राहुल गांधी ने एक और काबिल–ए–गौर बात कही है। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहे जो हो, पार्टी को यह पता है कि वह क्या है और उसे क्या करना है। यह उसकी सफलता का राज है। लेकिन कांग्रेस यह भूल गई है। राहुल गांधी का मानना है कि जिस रोज कांग्रेस को यह मालूम हो जाएगा कि वह क्या है, उस रोज उसकी सफलता की राह निकल आएगी। ये तमाम वो बातें हैं, जिन्हें अब तक कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाले उसके आलोचक कहते रहे हैं। अब राहुल गांधी को इन बातों का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ है, तो इसे पार्टी के लिए एक शुभ लक्षण कहा जाएगा। जाहिर है, तो पार्टी की कामयाबी का कोई इंस्टैंट फर्मूला नहीं है। लेकिन प्रयासों को सही दिशा मिल जाए, तो फिर फर्मूले निकल कर आने लगते हैं।

हॉस्टल में समय बदलाव को लेकर छात्रों का हंगामा

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी एक नया आदेश चर्चा का विषय बना हुआ है। इस आदेश को लेकर छात्र और छात्राओं में दोनों में नाराजगी है। नए आदेश में छात्रावास की छात्राओं को लेकर

निर्देश दिया गया है कि वे रात आठ बजे के बाद से वे बाहर नहीं जा पाएंगी। वहीं लड़कों को लेकर कहा गया है कि वे भी अपने हॉस्टल से रात १० बजे के बाद बाहर नहीं जाएंगे। ऐसे में छात्राओं का कहना है कि उन्हें भी समानता का अधिकार मिलना चाहिए क्योंकि वह भी बाहर रहकर कोचिंग और ट्रेनिंग करती हैं अगर जल्दी हॉस्टल बंद हो जाएगा तो फिर कहां रुकेगी। इसको लेकर कुछ छात्राओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत भी की है। छात्राओं ने बताया विश्वविद्यालय को यह फरमान वापस लेना चाहिए यह कहीं से भी उचित नहीं है। छात्राओं की बात कल छात्रों ने भी समर्थन किया है। वही विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन चाहता है कि किसी भी प्रकार की आवश्यकता ना हो कई बार हॉस्टलों में अराजकता होने के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसके अलावा बाहरी छात्रों के भी प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि हॉस्टल में अगर बाहरी छात्र मिलते हैं तो छात्रों का कमरा निरस्त किया जाएगा। इसके साथ ही हॉस्टल में किसी भी तरह की की पार्टी पर भी रोक लगा दी गई है। नियमों का पालन ना होने पर सख्त एक्शन लेने की बात भी कही गई है। जारी आदेश में छात्र और छात्राओं को लेकर कहा गया है कि सभी को इन नए नियमों का पालन करना होगा। अगर ये नियम तोड़े गए तो उन पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। अब जानकारी के लिए बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मारपीट का मामला सामने आया था। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हुई इस घटना में छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे। उसके बाद विश्व विद्यालय प्रशासन ने हॉस्टल में सख्ती की है।

फ्रांस के निवेशक उत्तर प्रदेश में कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के इच्छुक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में बड़े औद्योगिक घरानों व उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें राज्य में अगले साल फरवरी में होने वाले 'उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन' के लिए आमंत्रित किया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पेरिस पहुंचा और कई बड़े औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का दौरा विभिन्न देशों में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे रोड शो की श्रृंखला का हिस्सा था। प्रवक्ता ने कहा कि फ्रांस की कंपनियों ने भी राज्य में निवेश के जरिए व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने पर सहमति जताई। प्रवक्ता के अनुसार, पेरिस में हुए इस 'रोड शो' के दौरान फ्रांस के निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में रक्षा, कृषि, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और जल परिवहन समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जताई है। प्रतिनिधिमंडल ने पार्टेक्स एनवी के प्रतिनिधि डॉक्टर गुंजन भारद्वाज से मुलाकात की। कंपनी ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की शक्ति का उपयोग के लिए वाराणसी में एक रोगी डेटा एक्सचेंज 'एएमआईयूटी'

स्थापित करने के लिए १००० करोड़ के निवेश के इरादे से आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रवक्ता के मुताबिक जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के नेतृत्व में सिंगापुर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का रोड शो भी सफल रहा। रोड शो के दौरान उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से सिंगापुर की कारोबारी बिरादरी ने निवेश के अवसरों और सरकार द्वारा मिल रहे प्रोत्साहन पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (आईटीई) गया। यहां विभिन्न क्षेत्रों में जिनमें सिंगापुर और उत्तर प्रदेश के बीच भागीदारी गतिविधियां हो सकती हैं, उन पर चर्चा की गई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को आगामी पांच वर्ष में एक हजार अरब की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत अगले साल १० से १२ फरवरी के बीच लखनऊ में होने वाली वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन के जरिये १० लाख करोड़ का निवेश लाने का लक्ष्य है। इसके मद्देनजर उन्होंने अपने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के आठ समूहों को १८ देशों के भ्रमण पर भेजा है। सरकार के अनुसार, इन दौरों के दौरान रोड शो व ट्रेड शो को निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली और हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव के राज्य में आने का संकेत है।

कांग्रेस नेता अजय राय की बढ़ी मुश्किलें, भाजपा नेत्री ने दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर टिप्पणी करने के मामले को लेकर कांग्रेस नेता अजय राय मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक अजय राय के खिलाफ यूपी के सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इसके अलावा राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी अजय राय के बयान को आपत्तिजनक बताते हुए इसकी निंदा की है और उनके खिलाफ नोटिस जारी करते हुए उन्हें २८ दिसंबर को पेश होने के लिये कहा है। बता दें कि अजय राय के खिलाफ सोनभद्र में रबर्ट्सगंज कोतवाली में बीजेपी नेता ने केस दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक सोनभद्र जिले में बीजेपी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने अजय राय के खिलाफ रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में केस दर्ज

कराया है। पुलिस ने अजय राय के खिलाफ धारा ३५४ ।, ५०१ और ५०६ के तहत केस दर्ज किया है। गौरतलब है कि अजय राय सोनभद्र में स्मृति ईरानी को लेकर बयान दिया था जिसपर घमासान मच गया। बीजेपी ने अजय राय और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अजय राय ने सोनभद्र में कहा था कि स्मृति ईरानी अमेठी में आती हैं और लटके–झटके देकर चली जाती हैं। कांग्रेस नेता अजय राय के इस बयान पर विवाद बढ़ गया। आससे पहले अपने बयान पर सफाई देते हुए अजय राय ने कहा कि हमने आम बोलचाल कि भाषा में बोला है कि जो काम लटका हुआ है, जो रास्ते टूटे हुए है उस पर झटके लग रहे है, इसी संदर्भ मे मैन लटके झटके वाला बयान दिया है। हमने किसी महिला का अपमान नहीं किया है।

निकाय चुनाव पर हाईकोर्ट में फैसला टला

लखनऊ। निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण लागू किए जाने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने मामले की अगली सुनवाई बुधवार को करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अधिसूचना जारी करने पर लगी रोक भी बुधवार तक के लिए बढ़ा दी गई है। राज्य सरकार की ओर से मामले में प्रति शपथ पत्र दाखिल किया गया। शपथ पत्र में शपथ की तारीख तक का उल्लेख न होने पर नाराजगी जताई। कहा इतने महत्वपूर्ण मामले को इस प्रकार हल्के में कैसे ले सकते हैं। बता दें कि सूबे के नगरीय निकायों का कार्यकाल १२ दिसंबर से १६ जनवरी के बीच समाप्त हो रहा है। इस बार ७६० नगरीय निकायों में चुनाव होना है। इसके लिए राज्य सरकार ने सीटों का आरक्षण भी जारी कर दिया है। प्रदेश की नगर निगमों के मेयर, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष और पार्षदों के आरक्षण को इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिसे लेकर पेंच फंस गया है। ओबीसी को उचित आरक्षण का लाभ दिए जाने और सीटों के रोटेशन के मुद्दों को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की।

सीएम योगी के निर्देश पर यूपी अग्निशमन और आपात सेवा अधिनियम लागू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा अधिनियम २०२२ को लागू कर दिया गया है। इस नियम के लागू होने से अग्निशमन व आपात सेवा के उपायों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। प्रमुख सचिव, गृहसंजय प्रसाद ने जानकारी देते हुये बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रसारित मॉडल फायर एण्ड इमरजेंसी सर्विस बिल, २०१६ के प्राविधानों को उत्तर प्रदेश में लागू किये जाने के संबंध में 'उत्तर प्रदेश फायर एण्ड इमरजेंसी सर्विसेज अधिनियम–२०२२' के आलेख को स्वीकृति प्रदान की गयी है। पूरे देश

में फायर सर्विस अधिनियम में एकरूपता लाने के लिए केंद्र सरकार ने यह बिल लागू किया है। अग्निकाण्डों से बचाव के साथ–साथ अन्य आपातकालीन आवश्यकताओं जैसे–बाढ़, भूकम्प, बिल्डिंग कोलैप्स, आण्विक एवं जैविक खतरों में रेस्क्यू और बचाव कार्य के लिए अग्निशमन विभाग को वैधानिक एवं ढांचागत रूप से सुसज्जित एवं प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है। बता दें कि इस अधिनियम के लागू होने से अग्निशमन विभाग के कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों के बीच संतुलन भी स्थापित होगा। नए अधिनियम में संसाधनों की बढ़ोत्तरी के लिये फायर सर्विस का भी प्रवधान किया गया है।

बिना ओपीडी पर्चे की फोटोकपी दिखाए, नहीं मिलेंगी सस्ती दवाएं

लखनऊ। अपने आदेशों के जरिये मरीजों और तीमारदारों को मुश्किल में डालने के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी अक्सर जानी जाती है। ताजा जारी आदेश से ये फिर चर्चा में है। हाल ही में यहाँ सस्ती दवाओं की कालाबाजारी कर मार्किट में मरीजों को मुंहमांगे दामों पर बेचने का मामला सामने आया था। इसको लेकर कुछ लोगों को पकड़ा भी गया था। जिसके बाद केजीएमयू प्रशासन ने एक आदेश जारी किया है। जिसके मुताबिक पहले ओपीडी पर्चे की फोटोकापी लाओ तभी सस्ती दवाएं मिलेंगी। इस आदेश का खमियाजा बेबस मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार जिस ओपीडी पर्चे पर डॉक्टर दवा लिखेंगे उसकी फोटो कापी मरीज को करानी होगी। यह फोटोकापी हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) के स्टोर में जमा होगी। उसके बाद ही मरीज को दवा मिल सकेगी। अब मरीज पर्चे की फोटोकापी कराने के लिए आधा से एक किलोमीटर तक का सफर तय

कर रहे हैं। गौरतलब है कि सस्ती दर पर दवा देने के लिए हॉस्पिटल रिवल्विंग फंड के स्टोर खोले गए हैं। एचआरएफ के १४ स्टोर में मरीजों को ३० से ७० फीसदी कम कीमत पर दवाएं मिलती हैं। सस्ती दवा पाने को लेकर फोटो कापी कराने के लिए मरीजों को करीब एक किलोमीटर तक की दौड़ लगानी पड़ रही।

छात्रा का शव पुलिस ने खेत से बरामद

लखनऊ। राजधानी के नगराम थानाक्षेत्र अन्तर्गत असली गढ़ी गांव में उस वक्त दहशत के साथ अफरा–तफरी मच गई। जब एक छात्रा का शव पुलिस ने खेत से बरामद किया। छात्रा सुबह शौच के लिए अपनी मां और बहन के साथ निकली थी। इसी बीच छात्रा लापता हो गई। मां और छोटी बहन घर लौट आई लेकिन छात्रा नहीं आई। करीब दो घंटे इंतजार करने के बाद खोजबीन शुरू की गई। तब परिजनों ने गांव के बाहर खेत में छात्रा को मृत अवस्था में पाया। उसके कपड़े कीचड़ से सने हुए थे। इसके बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए तफ्तीश शुरु कर दी है। नगराम थानाक्षेत्र अन्तर्गत असली गढ़ी गांव निवासी रामजीत यादव ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी नैंसी मोहनलाल गंज के महेश प्रसाद डिग्री कज्ञूलेज में बीए सेकंड इयर की छात्रा थी। मंगलवार की सुबह करीब छह बजे वह अपनी मां और छोटी बहन के साथ बाग की तरफ शौच के लिए गई थी। घटनास्थल से बेटी के पैरों की चप्पलें भी गायब है। उन्होंने हत्या की आशंका जाई है।कहा कि बेटी ने कातिलों से संघर्ष किया है क्योकि उसके कपड़े कीचड़ से सने थे। वहीं मृतका की मां कमला देवी ने बताया कि सुबह नैंसी आगे चल रही थी। उसके पीछे वह अपनी छोटी बेटी के साथ थी। बढ़ती धुंध के बीच नैंसी लापता हो गई और वह पीछे ही छूट गए। शौच के बाद वह छोटी बेटी के साथ घर लौट आई, लेकिन नैंसी वापस नहीं आई। करीब साढ़े आठ बजे परिजनों ने खोजबीन शुरू की। बताया कि परिजन बाग की तरफ गए, तो उन्होंने गेंहू के खेत में बेटी को मृत अवस्था में पाया। उसके कपड़े कीचड़ से सने हुए थे। जबकि आस–पास कहीं भी खेतों में पानी नहीं लगा था। आशंका जताई गई कि हत्यारोपियों ने नैंसी की हत्या करने के बाद शव को खेत में फेंक दिया है। घटनास्थल पर पहुंचे डीसीपी साउथ, राहुल राज ने इस हत्याकांड की गहनता से जांच करने के लिए नगराम पुलिस को आदेश दिए हैं।

२३ आईपीएस अफसरों को तबादले

लखनऊ। वहीं भीम प्रिय एसपी फूड लखनऊ बने हैं। अरविंद मिश्रा एसपी क्षेत्रीय अभिसूचना कानपुर, अनिल कुमार सिंह बने सेनानायक पीएसी इटावा, बबिता साहू को एसपी मुख्यालय डीजीपी बनाया गया है। श्रवण कुमार सिंह डीसीपी लखनऊ कमिश्नरेट, प्रबल प्रताप सिंह डीसीपी वाराणसी कमिश्नरेट बनाया गया है। सर्वादानंद को एसपी ट्रैफिक लखनऊ मुख्यालय, ओम प्रकाश यादव कमांडेट एसएसपी लखनऊ, केशव चन्द्र गोस्वामी एसपी सीबीसीआईडी लखनऊ, राजेश यादव एसपी साइबर क्राइम लखनऊ, गिरिजेश कुमार एसपी सीबीसीआईडी लखनऊ, लाल साहब यादव एसपी

EOW भ्रष्टाचार निवारण संगठन लखनऊ, महात्मा प्रसाद एसपी एससीआरबी लखनऊ, हफीजुर रहमान एसपी ईओडब्ल्यू कानपुर, शिवाजी डीसीपी कमिश्नरेट कानपुर, दयाराम एसपी एंटी क्रप्शन लखनऊ बनाया गया है।

हाईकोर्ट ने अजय मिश्रा टेनी के खिलाफ अपील पर फैसला किया सुरक्षित

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के खिलाफ प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में दाखिल राज्य सरकार व मृतक के भाई संतोष गुप्ता की अपीलों पर २१ दिसम्बर को पुनः सुनवाई होगी। मामले में १० नवम्बर सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया गया था लेकिन सोमवार को सुनवाई करने वाली पीठ ने कहा कि मामले के कुछ बिंदुओं का अभी और स्पष्ट होना बाकी है। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा व न्यायमूर्ति रेणु अग्रवाल की खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया। अपने आदेश में न्यायालय ने कहा कि सुनवाई पूरी होने के पश्चात फैसला लिखाते समय यह उचित लगा कि कुछ अन्य बिंदुओं को और स्पष्ट होना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि नियत तिथि पर सम्बंधित अधिवक्ता उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान वादी तथा राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि मृतक से अजय मिश्रा टेनी का पंचायत चुनाव को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक को अजय मिश्रा टेनी के अलावा दूसरे अभियुक्त सुभाष उर्फ मामा ने भी गोली मारी थी। कहा गया कि घटना के चश्मदीद गवाह भी थे, जिनकी गवाही को ट्रायल कोर्ट ने नजरंदाज किया।वहीं अपील का विरोध करते हुए, दलील दी गई थी कि ट्रायल कोर्ट ने कथित प्रत्यक्षदर्शी की गवाही को भरोसे के लायक नहीं माना है, इसका

कारण यह है कि प्रत्यक्षदर्शी का एक दुकान पर काम करना बताया जाता है, उक्त दुकान के पास ही घटना को अंजाम दिया जाना भी कहा गया है। दलील दी गई कि घटना के दिन उक्त दुकान नहीं खुली थी इसलिए कथित प्रत्यक्षदर्शी की वहाँ उपस्थिति संदिग्ध है। कहा गया कि ट्रायल कोर्ट द्वारा अजय मिश्रा टेनी को बरी करने का फैसला औचित्यपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि लखीमपुर खीरी के तिकुनिया थाना क्षेत्र में वर्ष २००० में एक युवक प्रभात गुप्ता की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। मृतक समाजवादी पार्टी के यूथ विंग का सदस्य व लखनऊ विश्वविद्यालय का छात्र नेता। जबकि अजय मिश्रा टेनी उस समय भी भाजपा से जुड़े थे। अभियोजन के अनुसार दोनों के बीच पंचायत चुनाव को लेकर दुश्मनी हो गई थी। घटना के सम्बंध में दर्ज एफआईआर में अन्य अभियुक्तों के साथ–साथ अजय मिश्रा उर्फ टेनी को भी नामजद किया गया था। मामले के विचारण के पश्चात लखीमपुर खीरी की एक सत्र अदालत ने अजय मिश्रा व अन्य को पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में वर्ष २००४ में बरी कर दिया था। आदेश के खिलाफ वर्ष २००४ में ही राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल कर दिया था, वहीं मृतक के भाई ने भी उक्त आदेश के विरुद्ध अपीलध्पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी।

जन्म से पहले ही पेट में बच्चे की मौत

लखनऊ। गर्भवती के इलाज में लापरवाही के चलते अजन्मे बच्चे की मौत के आरोपों को लेकर सेंट जोसेफ अस्पताल व वहां कार्यरत महिला चिकित्सक डॉ. मंजरी जोशी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग करते हुए, एक अर्जी कोर्ट में दाखिल की गए है। अर्जी पर सीजेएम रवि कुमार गुप्ता ने १६ जनवरी तक गोमती नगर थाने को रिपोर्ट देने को कहा है। कोर्ट में रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग वाली यह अर्जी टांडा अम्बेडकर नगर की रहने वाली पीड़िता चंदा देवी ने दाखिल किया है। अर्जी में कहा गया है कि वह जब गर्भवती हुई तो उसने दिसंबर २०२१ में सेंट जोसेफ हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ. मंजरी जोशी से इलाज कराना प्रारम्भ किया तथा उनके द्वारा २८ दिसंबर २०२१ से २६ मार्च २०२२ तक १६ बार अल्ट्रासाउंड कराया गया व २५ से ३० जांचे कराकर आश्वासन दिया गया कि सब कुछ ठीक है। आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर मंजरी जोशी ने महिला को २६ मार्च २०२२ को पुनः जांच के लिए बुलाया लेकिन जब वह अस्पताल पहुंची तो पता चला कि डॉ. मंजरी छुट्टी पर हैं जिसके कारण उसे दूसरी डॉ. रश्मि कुलश्रेष्ठ को दिखाना पड़ा। कहा गया है कि रश्मि कुलश्रेष्ठ ने भी जांच कराई तथा उनके द्वारा बताया गया कि गर्भ में पल रहे बच्चे व वादिनी की स्थिति बहुत खराब है जिसके कारण बिगड़ा हुआ मामला बताकर इलाज करने से मना कर दिया। कहा गया है कि मरा हुआ बच्चा पैदा होने तथा अधिक संक्रमण के कारण उसकी बच्चेदानी निकाल दी गई जिसके कारण वह भविष्य में कभी भी मां नहीं बन पाएगी। यह भी कहा गया है कि पुलिस द्वारा अस्पताल प्रशासन व डॉ. मंजरी जोशी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई न करने कारण वह अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर रही है।

दीक्षांत समारोह में बोली राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ट्रांसजेंडर और कैदियों को प्रदान की जा रही निशुल्क शिक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का १७ दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की। विश्वविद्यालय की ओर से प्रदान की जा रही ट्रांसजेंडर और कैदियों को निशुल्क शिक्षा व्यवस्था को सराहनीय कदम बताया गया। दीक्षांत के मौके पर कुल १६,५८७ विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें ५५११ विद्यार्थियों को स्नातक, ८७०६ को परास्नातक, २२६१ को परास्नातक डिप्लोमा, ५०७ को डिप्लोमा तथा २६०२ को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। २३ मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। राज्यपाल ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और पदक विजेताओं को बधाई दी। दीक्षांत की शुरूआत में कुलपति सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय से जुड़ी हर उपलब्धि से राज्यपाल को अवगत कराया। वहीं विश्वविद्यालय को रजत जयंती वर्ष पर बधाई देते राज्यपाल ने कहा कि दूरस्थ व मुक्त शिक्षा प्रणाली एक लचीली और लागत प्रभावी शैक्षिक प्रणाली होने की वजह से शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित रह जाने वाले जन समुदाय को शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ट्रांसजेंडर और जेल के कैदियों को निःशुल्क शिक्षा तथा गोद लिए गाँवों की महिलाओं को पचास प्रतिशत शुल्क पर प्रवेश देने के निर्णय की सराहना की। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० के क्रियान्वयन में सक्रिय होने, विद्यार्थियों के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को बहुतायत से संचालित करने, नैक से ग्रेडिंग प्राप्त होने, अपनी शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विविध शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों से एमओयू करने की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। राज्यपाल ने बताया कि मौजूदा समय में प्रदेश के चार शहरों आगरा, वाराणसी, लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में जी–२० देशों की बैठकें १ दिसम्बर से ३० दिसंबर तक तक आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को इस इवेंट में उत्साह के साथ प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विदेशी भाषा के जानकार छात्र इसमें प्रतिनिधियों से संवाद करके जानकारियों के प्रचार–प्रसार, विश्वविद्यालय के नवाचारों, स्टार्ट अप तथा अन्य गतिविधियों के डिजिटल प्रचार तथा प्रदर्शनी के आयोजन द्वारा हिस्सेदारी कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। कहा कि शिक्षा का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। अतः इसकी समग्रता को समझते हुए प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रधानाचार्य को विश्वविद्यालय में बुलाकर उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चर्चा की जाए जिससे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। दीक्षान्त कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल ने "जलभरो" कार्यक्रम से किया। मटकी में जलधारा डालकर जल संरक्षण का संदेश देते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय जितना जल वर्ष भर में उपयोग में लाते हैं, उतने जल संरक्षण हेतु प्रभावी प्रयास करें। प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को दिया गया। प्रतिज्ञा मिश्रा ने एम०ए० भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के छह टापर्स को दिए गये हैं। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बाबा साधव राम महा विद्यालय आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमए (अर्थशास्त्र) की छात्रा इन्द्रवासिनी को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्व विद्यालय स्वर्ण पदक विश्व विद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम०ए० (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरुप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम. बी. ए. के छात्र रजत कुमार राय को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) के छात्र जितेंद्र कुमार यादव को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, किसान मजदूर महाविद्यालय भीटी मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजींत एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा अमृता गुप्ता को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रतीराम महाविद्यालय, मथुरा, अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमएससी (खाद्य एवं पोषण) की छात्रा नेहा राठौर को दिया गया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के ०६ टापर्स को दिये जायेंगे। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामधन दामोदर महा विद्यालय, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०ए०) के छात्र हरिकेश चौहान को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०ए०) के छात्र संदीप कुमार को,प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्व विद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०कम०) के छात्र शुभम श्रीवास्तव को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्व विद्यालय स्वर्ण पदक कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०सी०ए०) की छात्रा शालिनी मिश्रा को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक देव इंद्रावती महाविद्यालय, कटेहरी, अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०एड०) की छात्रा अंजली सिंह को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, झाम बाबा महाविद्यालय, जलालपुर, अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०एस०सी०) के छात्र विकास कुमार चौरसिया को प्रदान किया जायेगा। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार १० मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जायेगा। इनमें दो नए दानदाता स्वर्ण पदक को जोड़ा गया है, जो छात्राओं को दिए जाएंगे। जिनमें स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के अंतर्गत संचालित स्नातकोत्तर गृह विज्ञान कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली रामधन दामोदर महाविद्यालय, मऊ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत छात्रा अंजली राय को शिवपति द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार समस्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली विश्व विद्यालयमु ख्य परिसर अध्ययन केंद्र प्रयागराज से पंजीकृत एम ए भूगोल की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को श्री संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही शिक्षा विद्याशाखा के पूर्व निदेशक प्रो० सुशील प्रकाश गुप्ता की स्मृति में स्व० सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक देव इंद्रावती महाविद्यालय कटेहरी अंबेडकर नगर से पंजीकृत बी एड की छात्रा अंजली सिंह को, बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, देव इन्द्रावती महाविद्यालय, कटेहरी, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी०एड० की छात्रा अंजली सिंह को, कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र, प्रयागराज से पंजींत एम०बी०ए० की छात्रा स्मिता दीक्षित को, अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी०ए०) के छात्र संदीप कुमार को, स्व० अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, प्रयागराज अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम०ए० (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को, प्रो० एम०पी० दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, झाम बाबा महाविद्यालय जलालपुर अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजींत बी०ए० के छात्र सुधांशु गुप्ता को, प्रो० एम०पी० दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टीडी कलेज जौनपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बीएड की छात्रा भव्या सिंह को, महान राष्ट्र श्रद्धेय पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपद बाबा साधव राम महाविद्यालय, कोइनहां, आजमगढ़ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम०ए० (हिन्दी) की छात्रा रुचि यादव को दिया गया।

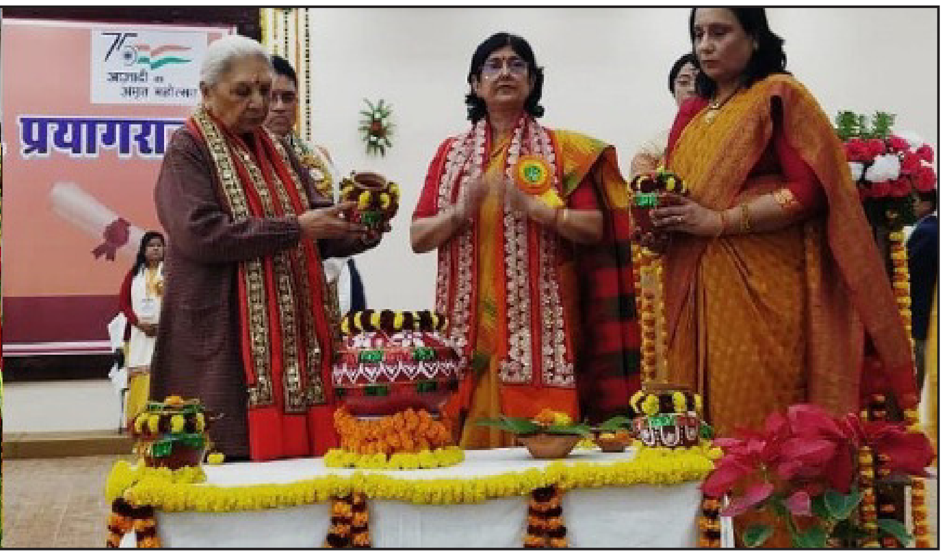

एसडीएम को चंदौली पुलिस ने किया गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। जिले के भीटी तहसील में तैनात एसडीएम सुनील कुमार को सोमवार देर रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हाईकोर्ट के

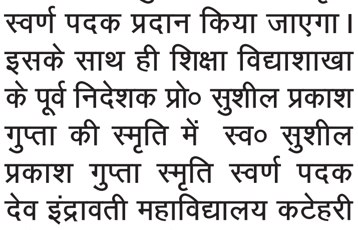

आदेश पर अंबेडकरनगर पहुंची चंदौली पुलिस एसडीएम को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। प्रकरण में बताया जा रहा है इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसडीएम की गिरफ्तारी का आदेश जारी किया था। मामला वर्ष २०१३ में कांशीराम आवास आवास की एक जांच से जुड़ा है। इस मामले में सही तरीके जांच न करने का एसडीएम को दोषी पाया गया है, जिसके बाद ये कार्रवाई की गई है। बताया जाता है कि उस समय वह नायाब तहसीलदार के पद पर चंदौली में तैनात थे। थानाध्यक्ष भीटी पंडित त्रिपाठी ने बताया कि चंदौली पुलिस एसडीएम को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। एसडीएम के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी था, जिसके बाद इनकी गिरफ्तारी हुई है।

आप सांसद संजय सिंह ने की मांग- चीन से व्यापार बंद करे केंद्र सरकार

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद एवं प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह ने सोमवार को कहा कि चीन लगातार हमारे देश में

घुसपैठ कर देश की सुरक्षा में सेंध ा लगा रहा है और मौजूदा सरकार उसके साथ व्यापार कर देश के सैनिकों के बलिदान का मजाक उड़ा रही है। संजय सिंह ने कहा कि चीन से व्यापार को तुरंत बंद कर देना चाहिये और देश के सैनिकों के साहस और बलिदान की कद्र करनी चाहिए। केन्द्र को बताना चाहिये कि दुश्मन देश चीन को ७.५ लाख करोड़ का व्यापार क्यों दिया जा रहा है। गलवान में झड़प के बाद ३१ प्रतिशत आयात कैसे बढ़ा जबकि केंद्र सरकार ने आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बात की थी। आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्ष २०२१ में चीन का भारत के साथ कुल व्यापार १२५. ६६ अरब डालर रहा जो वर्ष २०२० की तुलना में ४३. ३ प्रतिशत से ज्यादा है। यह अत्यंत दुखद पहलू है कि जब कि भारत सरकार की चीन से अस्पष्ट नीतियां न केवल चीन को मजबूत कर रही हैं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा एवं भारतीय सेना के बलिदान को भी ठेस पहुंचा रही हैं।

भूपेंद्र चौधरी बोले- सपा के डीएनए में है दंगाइयों अपराधियों से लगाव करना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा के डीएनए में ही दंगाइयों और अपराधियों से लगाव करना है। इसी का कारण है कि स्व. मुलायम सिंह से लेकर अखिलेश यादव तक ऐसे लोगों के साथ खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह के समय आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त लोगों के मुकदमे सरकार ने वापस लेने के प्रयास किए थे। मगर न्यायालय की सक्रियता से वो इसमें सफल नहीं हो पाए। बाद में कोर्ट का जो निर्णय आया, वो सबके सामने है। उन्होंने ये बात सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उपचुनाव में दो सीटों पर मिली हार को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मैनपुरी

मुलायम सिंह की परंपरागत सीट रही है। खतौली सीट पर हार की समीक्षा की जा रही है। वहीं, झांसी में दो भाजपा विधायकों के बीच चल रही तनातनी पर बोले कि दोनों नेताओं को साथ में बिठाकर बात की जाएगी।

सरकारी जमीन से एलडीए ने हटाया अवैध कब्जा

लखनऊ। राजधानी में सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनी झुग्गी–झोपड़ियों के खिलाफ प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी है। सोमवार को लखनऊ प्राधिकरण, नगर निगम और पुलिस प्रशासन के सहयोग से १०० से ज्यादा झुग्गी–झोपड़ियों को हटाया गया था। बीते कुछ दिनों से राजधानी में सरकारी जमीन को कब्जामुक्त किया जा रहा है। मंगलवार को मड़ियांव इलाके में अभियान के तहत सैड़कों लोगों को हटाया गया। सूत्रों की मानें तो, राजधानी में छोटे – बड़े ५० से ज्यादा जगहों पर मलिन बस्ती बनाकर अवैध कब्जा किया गया है। तमाम लोग ऐसे भी है जो कि मलिन बस्तियों में जगह देने के नाम पर लोगों से धन उगाही भी करते हैं। वह तीनल हजार रुपये से पांच हजार रुपए की वसूली करते है। जब यह शिकायत शासन स्तर पर पहुंची तो उसके बाद प्राधिकरण हरकत में आया। फिर एलडीए , नगर निगम और पुलिस प्रशासन के लोगों के संयुक्त अभियान से मलिन बस्तियों को हटाने का काम शुरू किया गया है। बता दें कि अभी तक करीब ३०० से ज्यादा लोगों से अवैध कब्जा हटाया जा चुका है। राजधानी में अवैध कब्जा करने वालों में १०

हजार से ज्यादा परिवार ऐसे हैं। जो नाले से लेकर नजूल की जमीन तक पर कब्जा बनाए हुए हैं। हालांकि, कहीं न कहीं इसका विरोध ा भी शुरू हो चुका है। तो वहीं शहर के तमाम संगठन इसके खिलाफ है। संगठनों का कहना है कि, गरीबों को रहने के लिए पहले सरकार की तरफ से जगह मुहैया करानी चाहिए उसके बाद अगर अभियान चलाया जाता तो ठीक होता। ठंड में लोगों के पास इस अभियान के बाद रहने के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।

नौकरी के इच्छुक लोगों से २.६७ करोड़ की ठगी, रोज गिनवाते रहे ट्रेन

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलग–अलग प्लेटफार्मों पर तमिलनाडु के कम से कम २८ लोग करीब एक महीने तक रोजाना आठ घंटे आने–जाने वाली ट्रेनों तथा उनके डिब्बों की गिनती कर रहे थे। उन्हें बताया गया था कि यही उनका काम है। वे इस बात से बेखबर थे कि वे नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं।दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में दायर एक शिकायत के अनुसार, उन्हें बताया गया था कि यह यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई), यातायात सहायकों और क्लर्कों के पदों के लिए उनके प्रशिक्षण का हिस्सा था। रेलवे में नौकरी पाने के लिए उनमें से प्रत्येक ने दो लाख से २४ लाख रुपये के बीच की राशि का भुगतान किया था। शिकायत ७८ वर्षीय एम सुब्बुसामी द्वारा दर्ज कराई गई। शिकायत के अनुसार, जून और जुलाई के बीच हुए एक महीने के प्रशिक्षण के लिए, ६ ोखेबाजों के एक समूह द्वारा पीड़ितों से २.६७ करोड़ रुपये ठगे गए। पूर्व सैनिक सुब्बुसामी पीड़ितों को कथित धोखेबाजों के संपर्क में लाए थे, लेकिन उन्होंने दावा किया कि वह इस बात से अनजान थे कि यह सब एक घोटाला था और वह भी उनके जाल में फंस गए। मदुरै के एक पीड़ित २५ वर्षीय स्नेहिल कुमार ने कहा, प्रत्येक उम्मीदवार ने सुब्बुसामी को दो लाख रुपये से लेकर २४ लाख रुपये तक की रकम का भुगतान किया, जिसने विकास राणा नाम के एक व्यक्ति को भुगतान किया। राणा ने दिल्ली में उत्तर रेलवे कार्यालय में खुद को एक उप निदेशक के रूप में पेश किया। ज्यादातर पीड़ित इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा की पृष्ठभूमि वाले स्नातक हैं। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में अपने गृहनगर से फोन पर सुब्बुसामी ने कहा, मेरी सेवानिवृत्ति के बाद से, मैं अपने इलाके के बेरोजगार युवाओं को बिना किसी मौद्रिक हित के उपयुक्त नौकरी खोजने में मदद कर रहा हूं। प्राथमिकी में, उसने आरोप लगाया है कि वह दिल्ली के एक एमपी क्वार्टर में कोयम्बटूर निवासी शिवरमन नामक व्यक्ति से मिला था। शिवरमन ने सांसदों और मंत्रियों के साथ अपनी जान–पहचान का दावा किया और मौद्रिक लाभ के बदले बेरोजगारों के लिए रेलवे में रोजगार की पेशकश की। जिसके बाद सुब्बसामी नौकरी की तलाश कर रहे तीन लोगों के साथ दिल्ली आया और बाद में नौकरी पाने के लिए २५ लोग और उनके साथ आए। ईओडब्ल्यू ने अपनी प्रारंभिक जांच में पाया कि यह एक नौकरी घोटाला था और आगे की जांच चल रही है। रेल मंत्रालय में मीडिया और संचार के अतिरिक्त महानिदेशक योगेश बवेजा ने इस तरह के नौकरी घोटालों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि रेलवे बोर्ड नियमित रूप से सलाह जारी कर रहा है और आम लोगों को इस तरह की धोखाधड़ी के खिलाफ सतर्क कर रहा है।

तीन शातिर चोरों को पकड़ने पुलिस जीआरपी चारबाग को मिली बड़ी सफलता

लखनऊ। राजकीय रेलवे पुलिस जीआरपी चारबाग ने नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन शातिर चोरों को पकड़ने में मंगलवार को बड़ी सफलता हासिल की। पकड़े जाने के बाद इनके गैंग का खुलासा हुआ है। दस साथियों का एक गैंग है, जो यात्रियों

की रेकी कर उनके साथ चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। जीआरपी को संदेह है कि ये सभी दस साथी आपसी रिश्तेदार हैं। बाकि के सात शातिरों की भी तलाश शुरू कर दी गई है। ये सभी शातिर अंबेडकरनगर जिले के हैं। रेलवे के पुलिस उपाधीक्षक प्रथम संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि ३० नवंबर को दिल्ली निवासी विपिन कुमार ने दिल्ली जीआरपी में एक मुकदमा दर्ज कराया। जिसके मुताबिक वह चारबाग स्टेशन पर १२४२६ नई दिल्ली एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सीट पर अपना बैग रखकर प्लेटफर्म पर टहल रहे थे। इस दौरान अज्ञात चोरों ने साढ़े तीन लाख रूपए से भरा बैग चोरी कर लिया। इस मामले को जीआरपी चारबाग को सौंपा गया। जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक नवरत्न गौतम की अगुवाई में टीम का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज खंगालने और मुखबिरों की सूचना पर कड़ी मशक्कत से मंगलवार को केकेसी रेलवे ओवरब्रिज के ऊपर से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि आलमबाग बस अड्डे से २०२१ में २८ किलोग्राम की चांदी भी इन्होंने ही साफ की थी। जीआरपी ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो पता चला कि इनका एक गैंग है, जो पूरी प्लानिंग तैयार चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। आरोपियों ने बताया कि यह दुकानों, होटलों, बस अड्डों, बाजारों और रेलवे स्टेशनों पर ऐसे लोगों की रेकी करते हैं, जो बार–बार अपने बैग को अतिसुरक्षित रखते हैं। जिससे ये अंदाजा लगा लेते हैं कि बैग में जरूर कुछ खास है। उसके बाद ये उनके आगे–पीछे लग जाते हैं, जैसे ही बैग को अकेला छोड़ा जाता है, आंख फटकते ही ये घटना को अंजाम दे देते हैं। आरोपियों के पास एक मोबाइल और एक लाख रूपया नकद बरामद किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में जीआरपी के चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विपिन कुमार सिंह, सुधीर कुमार राठी, आशीष सिंह, हेड कांस्टेबल मो. इमरान, पारस नाथ वर्मा, आशीष तिवारी, संजीव कुमार सिंह, त्रिलोकी नाथ, कांस्टेबल प्रदीप यादव, अक्षय त्यागी, आरपीएफ सीआईबी के एएसआई धर्मेन्द्र यादव और कांस्टेबल बलवीर सिंह शामिल रहे। जीआरपी की पूछताछ में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सभी रिश्तेदार हैं। गिरफ्तार आरोपियों में अंबेडकरनगर के जहांगीरगंज निवासी गुड्डू (३०) और अखिलेश (१६) हैं। वहीं वीरेन्द्र कुमार (२३) कटका का निवासी है। इसके अलावा इन आरोपियों ने अपने अन्य सात साथियों का भी नाम लिया है। जिसमें जहांगीरगंज निवासी बबलू, धीरज, सचिन, जयसिंह और मोनू हैं। वहीं आलापुर का राहुल और रज्जू नाम का व्यक्ति बताया गया है। इन सभी की तलाश शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से एक मोबाइल और एक लाख रूपए नकद प्राप्त किया गया है।

नड्डा के कार्यकाल को अगले महीने मिलेगा विस्तार

नई दिल्ली। भाजपा की एक अहम संगठनात्मक बैठक अगले महीने राष्ट्रीय राजधानी में होने की संभावना है जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के कार्यकाल के विस्तार पर मुहर लगाए जाने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी आगामी राज्य विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी विचार करेगी और मौजूदा संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेगी। हालांकि, बैठक का मुख्य आकर्षण कई राज्य में चुनाव और २०२४ लोकसभा चुनाव के मद्देनजर संगठनात्मक चुनाव को स्थगित करना होगा। इससे नड्डा के कार्यकाल को स्वतः विस्तार मिल जाएगा जिनका तीन साल का

कार्यकाल अगले महीने पूरा हो रहा है, क्योंकि अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने से पहले पार्टी की कम से कम आधी राज्य इकाइयों में आंतरिक चुनाव पूर्ण होना अनिवार्य है। अप्रैल–मई २०२४ में लोकसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद आंतरिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। नड्डा के पूर्ववर्ती एवं गृह मंत्री अमित शाह को भी २०१६ के लोकसभा चुनाव से पहले विस्तार मिला था। संसदीय चुनाव समाप्त होने के बाद ही संगठनात्मक चुनाव शुरू हुए और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल के दौरान शाह के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के साथ ही नड्डा निर्विरोध चुने गए थे।

जेल में बंद पीएफआई नेता अबूबकर को नजरबंद नहीं किया जाएगा

नई दिल्ली। ई अबुबकर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि जेल में बंद पपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष को चिकित्सा उपचार मुहैया कराया जाएगा लेकिन घर में नजरबंदी में नहीं रखा जाएगा। अबुबकर ने निचली अदालत के चिकित्सा आधार पर रिहा नहीं किए जाने के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पीठ ने कहा, जब आप चिकित्सा आधार पर जमानत मांग रहे हैं तो हम आपको घर क्यों भेजें? हम आपको अस्पताल भेजेंगे। अबुबकर (७०) के वकील ने पिछले महीने कहा था कि उनको कैंसर और पार्किंसंस रोग है और वह 'गंभीर पीड़ा' में हैं, जिसके लिए तत्काल इलाज की आवश्यकता है। अबूबकर को इस साल की शुरुआत में प्रतिबंधित संगठन पर व्यापक कार्रवाई के दौरान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण द्वारा गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में हैं। पीठ ने सोमवार को टिप्पणी की कि "नजरबंद" रखने के लिए कानून में कोई

प्रावधान नहीं था और निर्देश दिया कि अबुबकर को २२ दिसंबर को 'अन्कोसर्जरी' समीक्षा के लिए हिरासत में एम्स में "सुरक्षित रूप से ले जाया जाए" और उनके बेटे को भी परामर्श के समय उपस्थित रहने की अनुमति दी। अदालत ने कहा, "हम आपको नजरबंदी नहीं दे रहे हैं। कानून में नजरबंद किए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के पास शक्तियां हैं जो इस न्यायालय के पास नहीं हैं।" न्यायमूर्ति मृदुल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, "हमें इसमें कुछ भी उचित नहीं दिख रहा है क्योंकि किसी सर्जरी की सिफारिश नहीं की गई है। सबसे पहले तो हम आपको नजरबंदी में नहीं भेज सकते। यदि आपकी चिकित्सा स्थिति में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता है, तो हम अस्पताल में भर्ती होने का निर्देश दे सकते हैं। हम एक परिचारक की अनुमति दे सकते हैं। हम किसी और चीज की अनुमति नहीं दे रहे हैं।" अदालत ने कहा, "वह इलाज के हकदार हैं और हम प्रदान करेंगे।" पीठ ने मामले को अगले साल जनवरी में विचार के लिए सूचीबद्ध किया और जेल चिकित्सा अधीक्षक को एम्स के अन्कोसर्जरी विभाग के साथ परामर्श पर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

शादी समारोह में गए परिवार के घर से लाखों की चोरी

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में शादी समारोह में गए परिवार के मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये के जेवर समेत नकदी पर हाथ साफ कर मौके से फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दिया है। बुद्धेश्वर मोहान रोड स्थित सोना बिहार निवासी नीलू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह यहां पर परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति अजीत सिंगापुर में नौकरी करते हैं। बीते २५ नवंबर को छोटे देवर की शादी में परिवार के साथ गृह जनपद फरुखाबाद गई थी। सोमवार को जब वह घर लौटी तो मकान के मेन गेट का ताला टूटा मिला। साथ ही कमरों का सामान अस्त–व्यस्त मिला। नीलू के मुताबिक चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर करीब १८ हजार की नकदी और लाखों रुपये के जेवर चोरी कर ले गए। थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। साथ ही आस–पास के लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। जिससे आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया जा सके।

ओमप्रकाश राजभर को भाजपा ने सौंपा बड़ा पद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति को समय–समय पर गरमाते रहने वाले सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा तोहफा दिया है। सोमवार को ओमप्रकाश राजभर को भाजपा ने अटल बिहारी बाजपेई फाउंडेशन का सह अध्यक्ष बनाया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने आवास पर सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से मुलाकात के बाद राजभर को अटल बिहारी बाजपेई फाउंडेशन का सह अध्यक्ष नियुक्त किया। आपको बताना चाहेंगे कि ओम

प्रकाश राजभर बीते लंबे समय से समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर जमकर प्रहार करते दिखे हैं। इसी के साथ कई मौकों पर उन्होंने सीएम योगी की भी तारीफ की है। जिसके बाद से ही उनके बीजेपी में शामिल होने की अटकलें शुरू हो गई थी। गौरतलब है कि, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने उपचुनाव से पहले एक बयान देकर बीजेपी के साथ गठबंधन को लेकर कहा था कि, क्या बीजेपी और पीडीपी में गठबंधन होने की संभावना कभी थी? बार बार कहता हूं कि नेता दुमुहिया सांप होते हैं, कब क्या बोल दे कुछ पता नहीं।

मांग को लेकर रामलीला मैदान में किसानों का जमाव

नई दिल्ली। सरकार से विभिन्न राहत उपायों की मांग को लेकर 'किसान गर्जना' रैली के लिए यहां रामलीला मैदान में किसानों का जमावड़ा शुरू हो गया है। आयोजकों–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध भारतीय किसान संघ द्वारा जारी एक नोट में कहा गया है, अगर सरकार ने समय पर किसानों की मांग पर ध्यान नहीं दिया तो उसे परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसमें कहा गया है कि देश भर से किसान बसों, ट्रैक्टरों और मोटरसाइकिलों से रामलीला मैदान पहुंच रहे हैं और लागत के आधार पर अपनी फसलों के लिए लाभकारी मूल्य की मांग कर रहे हैं। किसानों ने सभी प्रकार की कृषि गतिविधियों पर जीएसटी को वापस लेने और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति देने का भी आह्वान किया है। वे 'पीएम–किसान' योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता को बढ़ाने के लिए भी केंद्र पर दबाव दे रहे हैं। दिसंबर २०१८ में शुरू की गई योजना के तहत सभी जोत भूमि वाले किसान परिवारों को तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष ६,००० रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। आयोजकों के मुताबिक, रैली में करीब ६०,००० लोगों के भाग लेने का अनुमान है।

राजनाथ सिंह की भाभी का निधन, अंतिम विदाई देने शामिल हुए रक्षामंत्री

वाराणसी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सगी भाई का सोमवार को निधन हो गया। जिसके चलते रक्षामंत्री अपनी भाभी नयनतारा देवी को अंतिम विदाई देने के लिए वाराणसी पहुंचे। रक्षामंत्री की भाभी का वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। बता दें कि, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की भाभी नयनतारा देवी का सोमवार को बीएचयू में निधन हो गया था। उन्हें तबीयत खराब होने के बाद इलाज के लिए वहां भर्ती कराया गया था। भाभी के निधन की खबर मिलते ही राजनाथ सिंह और उनका परिवार राजधानी दिल्ली से सीधे वाराणसी पहुंचे। रक्षा मंत्री वायुसेना के विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मणिकर्णिका घाट पहुंचे। रक्षामंत्री की भाभी के निधन से उनके गृह जनपद चंदौली में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता निधन की खबर सुनते ही शोक व्यक्त करने पहुंच रहे हैं। साथ ही अंतिम विदाई देने के लिए मणिकर्णिका घाट पर भी पहुंचे। इस दौरान घाट पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतेजाम किए गए थे। बताया जा रहा है कि, राजनाथ सिंह की भाभी नयनतारा देवी को चोट लगी थी। जिसके बाद उन्हें बीएचयू में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उनका अस्पताल में करीब २० दिन तक इलाज चला, लेकिन सोमवार को उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और उन्हें बचाया नहीं जा सका।

बाइक सवारों ने महिला का लूटा पर्स

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के शहीद पथ पर पति के साथ बाइक से जा रही महिला की पर्स बाइक सवार बदमाश लूटकर फरार हो गए। पर्स की छीनाझपटी में महिला बाइक से नीचे गिर गई, जिससे महिला और गोद में बैठी बच्ची बुरी तरह से घायल हो गए। तहरीर के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरु कर दी है। जानकारी अनुसार फिरोजपुर पोस्ट पौधनरामपुर थाना अखण्डनगर सुल्तानपुर निवासी अंकुर सिंह ने बताया कि वह वर्तमान समय में उन्नाव में रहते हैं। उनके चचेरे बड़े भाई वृन्दावन कालोनी में रहते हैं। जिन्हें दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें देखने आए थे। वापस जाते समय अवध शिल्पग्राम की सर्विस रोड से शहीद पथ पर चढ़ते ही अचानक पीछे से दो बाईक सवारों ने आकर पीछे बैठी पत्नी की पर्स लूट लिए। इस दौरान पत्नी अनामिका सिंह व बच्ची अक्षिता नीचे गिर गयी। जिससे दोनों चोटिल हो गई। पर्स में नकदी समेत चांदी के पायल थे। थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

अपनी १८ सूत्री मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय कर्मचारी एसोसिशन ने शिक्षा विभाग और सरकार को चेताया

लखनऊ। अपनी १८ सूत्री मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय कर्मचारी एसोसिशन के आवाहन पर आज कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लखनऊ शिक्षा भवन जगत

नरायण रोड, लखनऊ मे आयोजित किया गया जिसमें तमाम कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर धरना प्रदर्शन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता त्रिभुवन नाथ शर्मा जिलाध्यक्ष ने की। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल राजिक फारूकी जिला महामंत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे जनपद लखनऊ के श्री राजेश सिंह, वद्दसद्द. श्री अनूप कुमार वर्मा वद्दसद्द श्री राजकमल रस्तोगी. वद्दसद्द. श्री दिनेश कुमार, श्री शशांक श्रीवास्तव, धीरज काले श्री आगमन भाक्ला, श्री अभिषेक सिंह, श्री योगेन्द्र जोशी, श्री आलोक चौहान, श्रीमती दीपिका शुक्ला, श्री अविनाश सिंह, श्री अनिल कुमार, श्रीमती सुनीता यादव, श्रीमती वन्दना श्री विनोद कुमार शर्मा, श्री दिलीप कुमार श्रीमती फैजा फातिमा, श्रीमती सायमा रिजवी तथा श्रीमती बबिता अस्थाना आदि कद्दसद्द उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे नमन कुमार मिश्रा, प्रान्तीय उपाध्यक्ष तथा श्री विवेक श्रीवास्तव, मण्डलीय अध्यक्ष द्वारा भी प्रतिभाग किया गया है। अब्दुल राजिक फारूकी जिला मंत्री द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थिति कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि हमारे साथी विकास खण्ड कार्यालयों में बिना पद सृजित होते हुये मुख्यालय से प्रतिदिन लगभग ३०—४० किमी जाते है। दुर्घटना जैसी किसी भी अप्रिय स्थिति में उनको चिकित्सा सुविधा मिलना अत्यन्त आवश्यक है। सभी कर्मचारियो द्वारा इसका पुरजोर समर्थन किया गया। नमन कुमार मिश्रा, प्रान्तीय उपाध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि ज्ञापन में निहित कई मांगों यथा नकदीकरण, चिकित्सा सुविधा संवर्ग पुनर्गठन इत्यादि के लिये कई बार भासन तथा विभागाध्यक्ष को पत्र दिये गये जिन पर कोई सुनवाई नही हो रही है। संगठन को मजबूर होकर यह कार्यक्रम करना पड़ रहा है। विवेक श्रीवास्तव, मण्डलीय अध्यक्ष द्वारा सभी से एकजुट होकर पूर्ण क्षमता से संगठन का सहयोग करने की अपील की गई। अन्त मे सभी कर्मचारियों द्वारा प्रान्तीय नेतृत्व द्वारा प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन आदि को संबोधित ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लखनऊ को दिया गया। त्रिभुवन नाथ शर्मा जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये इसी तरह संगठन का को मजबूत करने तथा सहयोग करने की अपील की गयी। धरने को मिनिस्टेरियल एशोसिएशन ने भी पत्र के माध्यम से समर्थन दिया है।अगर सरकार और विभाग द्वारा इनकी मांगे नहीं मानी गई तो ये धरना प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा।

गजब फरमानः 'पीएसी के 'छोटे साहब' 'बिना सलामी दिए गुजरे तो खैर नहीं

सीतापुर। सीतापुर में पीएसी कर्मचारियों को प्रशासनिक भवनों और रिहायशी व गैर रिहायशी इलाकों में रुक कर वरिष्ठ अधिकारियों को सलामी देने की हिदायत दी गयी है। इस संबंध में जारी पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसके बाद प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बात की जांच के आदेश दिए हैं कि यह आंतरिक आदेश सोशल मीडिया पर कैसे वायरल हुआ। सीतापुर स्थित २७वीं वाहिनी पीएसी के सहायक कमांडेंट के हस्ताक्षर से जारी हुए इस पत्र में मातहत कर्मचारियों से कहा गया है कि वे साइकिल और मोटरसाइकिल से जाते समय पीएसी परिसर में स्थित प्रशासनिक भवनों और रिहायशी तथा गैर रिहायशी इमारतों के सामने रुक कर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सलामी दें। इस आदेश पर सोमवार १६ दिसंबर की तारीख लिखी गई है और कहा गया है कि इसका तत्काल पालन शुरू किया जाए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में पूछे जाने पर २७वीं वाहिनी पीएसी के कमांडेंट मणिराम सिंह ने मंगलवार को कहा कि उन्हें इस पत्र में कुछ भी गलत नहीं नजर आता। यह आदेश अनुशासनहीनता को रोकने के लिए दिया गया है और आदेश देने वाले अधिकारी की इसमें कोई

गलत मंशा नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि ऐसे आदेश समय—समय पर जारी किए जाते हैं ताकि अनुशासन बना रहे लेकिन यह पत्र सोशल मीडिया पर कैसे वायरल हो गया, इसकी जांच कराई जाएगी। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान १९४० में आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के लिए यूपी मिलिट्री पुलिस की १३ कंपनियां बनाई गई थी। उसके बाद सितंबर १९४७ में ८६ और कंपनियां बनाई गई थी।

एनसीईआरटी पुस्तकों में स्वतंत्रता सेनानियों का गलत चित्रणः संसदीय समिति

नई दिल्ली। सरकार ने संसद की एक समिति को बताया कि आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं कक्षा की एनसीईआरटी की वर्तमान पाठ्य पुस्तकों में घटना उन्मुख ष्टिकोण को अपनाकर स्वतंत्रता सेनानियों को चित्रित किया गया है। साथ ही सरकार ने उन्हें गलत तरीके से चित्रित किए जाने से भी इंकार किया। संसदीय समिति ने हालांकि शिक्षा मंत्रालय के इस उत्तर को स्वीकार नहीं किया। समिति ने कहा कि उसका विचार है कि राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के समन्वय से विभाग को अनेक गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को पाठ्यपुस्तकों में समान महत्व के साथ शामिल करना चाहिए। राज्यसभा में १६ दिसंबर को पेश 'स्कूली पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु और डिजाइन में सुधार' विषय पर शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के ३३१वें प्रतिवेदन की सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर की अध्यक्षता वाली समिति ने चर्चा के दौरान गौर किया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कई ऐतिहासिक शख्सियतों और स्वतंत्रता सेनानियों को अपराधियों के रूप में गलत तरीके से चित्रित किया गया है। इसलिये उसका विचार है कि इस गलती को ठीक किया जाना चाहिए और उन्हें हमारी इतिहास की पुस्तक में उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने यह भी कहा कि अहिल्याबाई होल्कर, अबला बोस, आनंदी गोपाल जोशी, अनसूया साराभाई, आरती साहा, अरूणा आसफ अली, कनकलता डेका, रानी मां गोडिन्यू, असीमा चटर्जी, कैप्टन प्रेम माथुर, चंद्रप्रभा सैकिनी, के सोराबजी, दुर्गावती देवी, जानकी अम्माल, महाश्वेता देवी, कल्पना चावला, कमलादेवी चटोपाध्याय, कित्तूर चेन्नमा, एस एस सुबलक्ष्मी, मैडम भीकाजी कामा, रूक्मिणी देवी अरूंडेल, सावित्रीबाई फुले और कई अन्य उल्लेखनीय महिलाओं और उनके योगदान का एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक में वर्णन नहीं किया गया है।

लव जिहाद के खिलाफ विहिप का बुधवार से देशव्यापी अभियान

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद (विहिप—ट७च्) २१ दिसंबर से जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के खिलाफ ११ दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने जा रहा है। यह अभियान उन हिंदुओं की 'घर वापसी' के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है, जिन्हें इस्लाम (प्ंसंउ) या ईसाई धर्म अपनाने के लिए 'मजबूर' किया गया था। सूत्रों ने कहा कि वीएचपी ने देश भर में १ हजार संवेदनशील जिलों की पहचान की है, जहां हाल के दिनों में धर्म परिवर्तन की अधिक घटनाएं हुई हैं। विहिप के एक पदाधिकारी ने कहा, यह मुख्य रूप से उन लोगों के लिए जागरूकता अभियान होगा, जो हिंदू धर्म में वापस आना चाहते हैं। हम उनका स्वागत करेंगे। अभियान का समापन ३१ दिसंबर को होगा। इस अभियान में विशेष ध्यान 'लव जिहाद' पर होगा, जहां मुस्लिम पुरुष हिंदू लड़कियों से शादी कर उनका धर्मांतरण करते हैं। पदाधिकारी ने कहा, इससमें लव का शायद ही कोई तत्व है। यह सब जिहाद है। गौरतलब है कि विहिप हर साल लगभग ५ हजार लड़कियों की 'घर वापसी' सुनिश्चित करती है, जिन्हें इस्लाम में परिवर्तित किया गया था। विहिप आर्य समाजी, समाज सुधारक दयानंद सरस्वती के सिद्धांतों का प्रचार करने स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि २३ दिसंबर को 'धर्मरक्षा दिवस' के रूप में मनाएगी श्रद्धानंद की १९२६ में एक कथित मुस्लिम कट्टरपंथी अब्दुल रशीद ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वीएचपी नेता ने कहा, उन्हें मार डाला गया क्योंकि उन्होंने हजारों लोगों को हिंदू धर्म में वापस लाने की कोशिश की थी। विहिप २५

दिसंबर और ३१ दिसंबर को विशेष रूप से क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर हिंदुओं को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के ईसाई मिशनरियों के प्रयासों को रोकने के लिए एक अभियान भी चलाएगी। प्रयागराज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की बैठक के लगभग दो महीने बाद यह अभियान शुरू किया जाएगा। बैठक में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने धर्मांतरण विरोधी कानून को सख्ती से लागू करने की वकालत की थी। इस साल जुलाई में भागवत ने धर्मांतरण को रोकने पर जोर देते हुए कहा था कि ऐसे लोग लोगों को उनकी जड़ों से अलग करते हैं।

राजधानी में क्रिकेटरों को मिला एक और स्टेडियम

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच अब्दुल काशिफ (५५) के अर्द्धशतक की बदौलत ध्रुव स्पोर्ट्स प्रमोशन ने इमोनी ग्रुप अंडर—१६ गोल्ड कैप क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में आरके सीनियर सेकंड्री क्रिकेट क्लब को ५५ रन से हराया। इस मुकाबले के साथ ही दयाल ग्रुप अफ इंस्टीट्यूशंस, सुल्तानपुर रोड निकेट डीजीआई क्रिकेट स्टेडियम के रूप में लखनऊ को एक और नए क्रिकेट स्टेडियम की सौगात मिल गयी। इस स्टेडियम की शुरुआत दयाल ग्रुप अफ इंस्टीट्यूशंस ने ध्रूव क्रिकेट अकादमी के साथ की है। इस स्टेडियम का उद्घाटन सेवानिवृत्त आईएएस बाबूराम ने किया। इस अवसर पर आरबीएन ग्लोबल स्कूल के निदेशक सुशील यादव और हर्षवर्धन शुक्ला मौजूद रहे। इस दौरान ध्रुव क्रिकेट अकादमी के मुख्य कोच पूर्व रणजी ट्रफी और सेंट्रल जोन क्रिकेटर दीपक यादव ने बताया कि डीजीआई क्रिकेट स्टेडियम पर राज्य और जिला स्तर के क्रिकेट टूर्नामेंट यूपीसीए और सीएएल की अनुमति लेकर आयोजित किये जायंगे।

फ्रांस के निवेशक उत्तर प्रदेश में कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के इच्छुक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में बड़े औद्योगिक घरानों व उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें राज्य में अगले साल फरवरी में होने वाले 'उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन' के लिए आमंत्रित किया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पेरिस पहुंचा और कई बड़े औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का दौरा विभिन्न देशों में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे रोड शो की श्रृंखला का हिस्सा था। प्रवक्ता ने कहा कि फ्रांस की कंपनियों ने भी राज्य में निवेश के जरिए व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने पर सहमति जताई। प्रवक्ता के अनुसार, पेरिस में हुए इस 'रोड शो' के दौरान फ्रांस के निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में रक्षा, कृषि, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और जल परिवहन समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जताई है। प्रतिनिधिमंडल ने पार्टेक्स एनवी के प्रतिनिधि डॉक्टर गुंजन

भारद्वाज से मुलाकात की। कंपनी ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की शक्ति का उपयोग के लिए वाराणसी में एक रोगी डेटा एक्सचेंज 'एएमआईयूटी' स्थापित करने के लिए १००० करोड़ के निवेश के इरादे से आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रवक्ता के मुताबिक जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के नेतृत्व में सिंगापुर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का रोड शो भी सफल रहा। रोड शो के दौरान उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से सिंगापुर की कारोबारी बिरादरी ने निवेश के अवसरों और सरकार द्वारा मिल रहे प्रोत्साहन पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (आईटीई) गया। यहां विभिन्न क्षेत्रों में जिनमें सिंगापुर और उत्तर प्रदेश के बीच भागीदारी गतिविधियां हो सकती हैं, उन पर चर्चा की गई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को आगामी पांच वर्ष में एक हजार अरब की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत अगले साल १० से १२ फरवरी के बीच लखनऊ में होने वाली वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन के जरिये १० लाख करोड़ का निवेश लाने का लक्ष्य है। इसके मद्देनजर उन्होंने अपने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के आठ समूहों को १८ देशों के भ्रमण पर भेजा है। सरकार के अनुसार, इन दौरों के दौरान रोड शो व ट्रेड शो को निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली और हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव के राज्य में आने का संकेत है।

बीबीएयू में फीस बढ़ोत्तरी को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीटेक के छात्रों को फीस न जमा

होने के कारण सेमेस्टर परीक्षा से रोक दिया गया। जिसके विरोध में सोमवार से छात्र अंबेडकर भवन पर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए हैं। छात्रों का आरोप हैं कि विश्वविद्यालय के अधिकारी पक्षपाद कर रहे हैं क्योंकि फीस कई और विभाग के छात्रों की नहीं जमा पर उनको परीक्षा देने नहीं रोका गया हैं। वही छात्रों का कहना हैं कि उनकी छात्रवृत्ति रुकने के कारण वो अभी फीस नहीं जमा कर पाए हैं। जिसके लिए उन्होंने फीस जमा करने के लिए कुलपति से समय मांगा था परंतु उनकी तरफ से कोई सहायता नहीं कि गई। बता दे १२ दिसंबर से सेमेस्टर एग्जाम प्रारम्भ हुआ था जोकि मंगलवार २० दिसम्बर को सेमेस्टर एग्जाम खत्म हो गया जिसमे बीटेक के छात्रों को परीक्षा देने से रोका गया हैं। छात्रों ने बताया कि सोमवार देर रात कुलसचिव, प्रॉक्टर समेत अन्य अधिकारी छात्रों को धरने से उठाने का दवाब बनाने आए थे और सोमवार को देर रात प्रॉक्टर संजय कुमार द्वारा छात्रो को निष्कासित करने धमकी दी गयी। छात्रों के माता–पिता को रात को ११ बजे फोन करके छात्रों को धरने से उठाने के लिए दवाब बनाया गया।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

फिल्म 'बड़े मियां छोटे मिया' में काम करेंगे पृथ्वीराज सुकुमारन

मुंबई। मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में काम करते नजर आ सकते है। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही फिल्म श्बड़े मियां छोटे मियांश एक एक्शन–थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की मुख्य भूमिका है। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं। इस फिल्म में मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री हो गई है। उनका किरदार नेगेटिव शेड लिए होगा। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग १७ जनवरी, २०२३ से शुरू होगी। शुरुआत में फिल्म को इंडिया में ही शूट किया जाएगा, इसके बाद इंटरनेशनल लोकेशन पर शूटिंग होगी। फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग का पहला शेड्यूल मुंबई में अक्षय कुमार, टाइगर श्रफ, पृथ्वीराज सुकुमारन और पूरी टीम के साथ शुरू होगा। इसके बाद मेकर्स ने फिल्म को विदेशों में शूट करने की प्लानिंग की है। यह फिल्म क्रिसमस २०२३ पर पांच भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जाएगी।

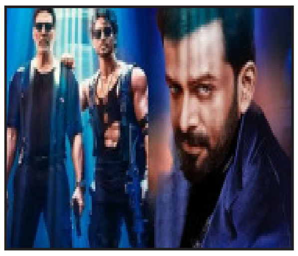

भारत की सरगम कौशल ने जीता 'मिसेज वर्ल्ड २०२२' का खिताब

नई दिल्ली। ६३ देशों को पछाड़कर भारत की सरगम कौशल ने मिसेज वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर लिया है। ये ताज भारत में २१ साल बाद वापस आया है। प्रतियोगिता में दुनिया भर के ६३ देशों की महिलाओं ने भाग लिया था, जिसमें से सरगम घ्कौशल ने जीत हासिल की है। जम्मू–कश्मीर की रहने वाली सरगम घ्पेशे से टीचर हैं। उन्होंने २०१८ में एक नेवी अफिसर से शादी की थी। सरगम घ्ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता और पति को दिया है। मिसेज इंडिया पेजेंट के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी घोषणा की गई है। क्राउनिंग मोमेंट की एक झलक यहां शेयर करते हुए लिखा है, लंबा इंतजार खत्म हुआ। यह ताज हमारे पास २१ साल बाद वापस आया

है। सरगम घ्से पहले ड अदिति गोवित्रीकर ने २००१ में यह खिताब जीता था। पुरस्कार के लिए जूरी पैनल में अभिनेत्री सोहा अली खान, विवेक ओबेरय और मोहम्मद अजहरुद्दीन शामिल थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

पठान की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, लखनऊ में एफआईआर दर्ज करने की मांग

लखनऊ। फिल्म पठान में भगवा वस्त्र पहनकर दीपिका पादुकोण द्वारा फूहड़ डांस करने के आरोप को लेकर स्थानीय अधिवक्ता प्रमोद पांडेय ने दीपिका पादुकोण, शाहरुख खान, फिल्म डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद व सेंसर बोर्ड के चेयरमैन प्रसून जोशी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराए जाने की मांग वाली अर्जी अदालत में दी है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि कुमार गुप्ता ने अर्जी पर विभूति खंड थाने से रिपोर्ट तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई १६ जनवरी को होगी। अदालत में दी गई अर्जी में कहा गया है कि वादी ने १४ दिसम्बर को मोबाइल फोन

के माध्यम से पठान फिल्म का गाना बेशर्म का ट्रेलर देखा, जिसमें भगवा रंग के वस्त्र पहनकर फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अभद्र वेशभूषा में नजर आ रही थी तथा भगवा वस्त्र पहनकर अभद्र नृत्य व प्रदर्शन कर रही थीं। वादी का कहना है कि यह देखकर उसे मानसिक आघात पहुंचा। आरोप है कि भगवा रंग हिंदू सनातन धर्म के संतों का विशिष्ट पहनावा है और फिल्म में इस तरह के श्य डालने से करोड़ों लोगों की आस्था को भी ठेस पहुंचा है। अर्जी में यह भी आरोप लगाया है कि हिंदू धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों की आस्था भगवा वस्त्रों से जुड़ी है तथा दीपिका पादुकोण द्वारा भगवा वस्त्र पहनकर अभद्रता करने से हिंदू धर्म को मानने वालों की भावना आहत हुई है। यह भी कहा गया है कि शाहरुख खान द्वारा सनातन धर्म का लगातार अपमान किया जाता रहा है। वादी का कहना है कि इस मामले को लेकर वादी ने सेंसर बोर्ड को भी अवगत कराया था लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि यह मामला पूरी तरह से धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक